सार संक्षेप

(1) प्रस्तावनाः–

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को एक ऐसी व्यवस्था में समायोजित करने के लिए प्रशिक्षण देता है ,जिसमें शिक्षा के बारे में यह समझा जाता है कि उसमें केवल सूचनाओं का प्रसार होता है, वर्तमान शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम पाठ्यचर्या में भाषा के केन्द्रियता के महत्व को नहीं समक्षते ।यह मान लिया जाता है, कि किसी विषय को पढ़ानें की क्षमता कार्यक्रम के दौरान अपने आप आ जाएगी ।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में समकालीन भारतीय समाज के मुददों और चिंताओं ,उसके बहुलतावादी स्वाभाव और पहचान,लिंग,समता ,जीविका और गरीबी के मुददों के लिए स्थान होना चाहिए । इसमें शिक्षकों में शिक्षा को उसके संदर्भों में रखने उसके उद्धेश्य और समाज के साथ उसके संवंन्धों की समझ अधिक गहरी होगीं।

शिक्षक प्रशिक्षण, शिक्षकों के पेशेवर विकास और स्कूली गतिविधियों में बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है । इससे शिक्षक व्यवहारिक अर्जित करते है। इससे अन्य शिक्षकों से संम्पर्क संवाद् के अवसर मिलते हैं । पेशेवर ढ़ंग से कार्य करने और ज्ञान में नयापन लाने में सहायता मिलती है।

प्रशिक्षण की गुणवत्ता का एक बड़ा मानक है शिक्षक के लिए उसकी प्रसंगिकता। ,लेकिन इस तरह के ज्यादातर कार्यक्रम वास्तविक जरूरत को ध्यान में रखकर नहीं बनाये जातें। अधिकांश कार्यक्रमेां में भाषण आधारित अभिगम अपनाया जाता है ,जिसमें प्रशिक्षु को भागीदारी करने का मौका नहीं मिलतां। विडंबना यह है कि गतिविधि आधारित शिक्षा ,बडी कंक्षाओं का प्रवंधन ,बहुस्तरीय /श्रेणीय शिक्षा और सामूहिक शिक्षण जैसे विषय जिन्हें करके दिखाने की जरूरत है उन्हें भी भाषणेां द्वारा पढ़ाया जाता है । स्कूल फांलोअप की शुरूआत भी नहीं हो सकी है और संकुल स्तर की बैठकों ऐसे पेशेवर मंचों के रूप में विकसित नहीं हो सकी हैं ,जहाँ शिक्षक साथ बैठें , चिंतन करें और एक साथ योजना बनाएँ ।

प्रशिक्षण के अंन्तर्गत शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में व्याख्याओं के आयोजन के अतिरिक्त ,कई अन्य प्रकार की गतिविधियाँ भी आती हैं, जैसे स्कूल या समुदाय में कार्यशालाओं का आयेाजन तथा शिक्षकों को उनकी कक्षा के लिए प्रोजेक्ट आदिं। सेवापूर्व और सेवाकालीन प्रशिक्षण को जोड़ने के लिए सेवापूर्व प्रशिक्षण के दौरान स्कूलों मे इंटर्नशिप आयोजित कराई जा सकती है और विद्यार्थी –शिक्षकों से कहा जा सकता है, कि वे इन स्कूलों में कक्षा के कामकाज का अवलोकन करें । इससे बनाने में मदद मिलेगी ,बल्कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद के हिस्से में प्रशिक्षु शिक्षकों को आलेाचनात्मक चिंतन का आधार भी दे सकता है ।

किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था का मूल आधार शिक्षक हैं । शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु अनेक प्रयास किये जा रहें हैं जिनमें अध्यापक प्रशिक्षण इस संम्बंध में महत्वपूर्ण येागदान हो सकता हैं । **प्रशिक्षण का तात्पर्य हैं** उन विभिन्न विधाओं और प्रविधियों के विकास से हैं जिनमें कोई अपने सामान्य और विशिष्ट ज्ञान को इस तरह प्रयुक्त करने में सक्षम हो जाता है कि वह लोक सेवा में उसका सफलता पूर्वक उपयोग कर सकते हैं। अतः बौद्विकता का सामान्य शिक्षा में विशिष्टता विशेष शिक्षा से और प्रशिक्षण उपयोग की पद्वति से संवंन्धित है। शिक्षा की भावी रूप रेखा को लेकर प्रत्येक राष्ट्र में सदैव ही कुछ न कुछ चर्चा होती रहती है। शायद ही कोई राष्ट्र हो जिसमें शिक्षा के महत्व को आज न पहचाना जा रहा हो। प्रायः सभी देश मानने लगे हैं कि यदि किसी भी राष्ट्र को ऊपर उठाना है, तो शिक्षा पर बल देना तथा आर्थिक आय वृद्वि के लिये शिक्षा के महत्व को स्वीकार किया जाना अत्यंन्त आवश्यक हैं। हमारा प्रशिक्षण उद्वेश्य अभिप्रेरित वर्गो के लिए कार्यपरक साक्षरता तथा सभी वर्गो के लिये सामूहिक साक्षरता होना चाहियें। इसका परिणाम यह होगा कि हमें राजनैतिक आर्थिक तथा सांस्कृतिक स्तर पर निराश नही होना पडेगा । यह भारत जैसे लोकतांत्रिक देशों के लिये अन्य देशेां की अपेक्षा अधिक आवश्यक हैं।

(2) **अध्ययन की आवश्यकता :–**

विगत कई वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र को सुद्रढ़ करने के लिए कई स्तरों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संम्पन्न कराये जाते है, जों कि विभिन्न सौपानों में आयेाजित होते हैं । जिनमें बहुत अधिक मात्रा में अर्थ (पूजी) लगाया जाता हैं। यहाँ आवश्यकता के संवंन्ध में ही **शिक्षक प्रशिक्षण शब्द को परिभाषित** करना चाहेगे। किसी दिये गयें शैक्षिक कार्य को उचित ढ़ंग से संपादित करने के लिए व्यक्ति विशेष के दुष्टिकोण ज्ञान ,कोशल एवं व्यवहार के क्रमवद्व विकास का नाम शिक्षक प्रशिक्षण है। अतःशिक्षक प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से शिक्षक अपनी येाग्यता ,क्षमता एवं व्यक्तिगत के आधार पर अपनी सेाच समझ को कितना रूचिकर ,ज्ञानवर्धक बन पर रहें है। यदि नही तो क्या कारण है? क्या छात्र सही ढ़ंग से समझ नहीं पा रहें हैं ? छात्रों का उपलब्धि स्तर क्या हैं ? क्या होना चाहिए ?

(3) शोध का शीर्षक :–

शोधकर्ता ने अपनी रूचि के अनुसार लघु शोध को प्रारंम्भ करने के लिए ''सर्व शिक्षा अभियान '' का शीर्षक चुना है ,जो कि अत्यंन्त महत्वपूर्ण अध्ययन है।

(4) शोध समस्या का कथन

सर्व शिक्षा अभियान के अंन्तर्गत शिक्षक –प्रशिक्षण के प्रभावशीलता का अध्ययन ''अध्यापक की सोच द्वारा करना ''

(5) शोध के उद्धेश्य :–

- ↳ शिक्षक –प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तार पूर्वक जानकारी प्राप्त करना।
- ↳ शहरी तथा ग्रामीण विद्यालय के अध्यापकें का सेवाकालीन शिक्षक –प्रशिक्षण के प्रभावशीलता का अध्ययन ,अध्यापक की सोच द्वारा विस्तार पूर्वक करना ।
- ↳ पुरूष तथा महिला अध्यापकों का सेवाकालीन शिक्षक –प्रशिक्षण के प्रभावशीलता का अध्ययन ,अध्यापक की सोच द्वारा विस्तार पूर्वक करना ।
- ↳ कम अनुभव तथा अधिक अनुभव वाले अध्यापकें का सेवाकालीन शिक्षक –प्रशिक्षण के प्रभावशीलता का अध्ययन ,अध्यापक की सोच द्वारा विस्तार पूर्वक करना ।
- ↳ कम योग्यता तथा अधिक योग्यता वाले अध्यापकें का सेवाकालीन शिक्षक–प्रशिक्षण के प्रभावशीलता का अध्ययन ,अध्यापक की सोच द्वारा विस्तार पूर्वक करना ।

(6) शोध की परिकल्पना :–

- ♦ शहरी तथा ग्रामीण विद्यालय के अध्यापकें का सेवाकालीन शिक्षक –प्रशिक्षण के प्रभावशीलता पर, अध्यापक की सोच में सार्थक अंन्तर नहीं हैं ?
- ♦ पुरूष तथा महिला अध्यापकें में सेवाकालीन शिक्षक–प्रशिक्षण के प्रभावशीलता पर ,अध्यापक की सोच में सार्थक अंन्तर नहीं हैं ?
- ♦ कम अनुभव तथा अधिक अनुभव वाले अध्यापकें में सेवाकालीन शिक्षक–प्रशिक्षण के प्रभावशीलता पर ,अध्यापक की सोच में सार्थक अंन्तर नहीं हैं?

- ♦ कम योग्यता तथा अधिक योग्यता वाले अध्यापकों का सेवाकालीन शिक्षक–प्रशिक्षण के प्रभावशीलता पर ,अध्यापक की सोच में सार्थक अंन्तर नहीं हैं?

(7) शोध का क्षेत्रः–

समय के अभाव /कमीं और सुविधा की दृष्टि से इस अनुसंधान के अध्ययन का कार्य भोपाल जिले में फंदा ब्लाक के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के सरकारी विद्यालय की सीमा प्रांत में किया गया।

(8) न्यादर्श का चयन :–

संवंधित शोध कार्य हेतु शोधकर्ता ने भोपाल जिले में फंदा तहसील के शहरी व ग्रामीण शा. प्राथमिक शालाओं में से कुल न्यादर्श के लिए 50 अध्यापकों का चयन किया, जिनमें से 25 अध्यापक शहरी व 25 अध्यापक ग्रामीण क्षेत्र से लिये गये।

(9) शोध के चर :–

स्वतंत्र चर :– शिक्षक, शिक्षिकायें , व्यवसायिक योग्यता ,अनुभव ,कलस्टर ,रिसोर्स सेन्टर ,क्षेत्र (ग्रामीण एवं शहरी)

आश्रित चर :– सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण की प्रभावशीलता ।

(10) शोध संम्बंधी उपकरण :–

प्रस्तुत शोध में प्रदत्त का संग्रह करने के लिए अभिज्ञान मापनी उपकरण का उपयोग किया गया है।

(11) आंकड़ों का निष्कर्षः–

- ➢ प्रशिक्षण प्रभावशीलता का वैकल्पिक शिक्षा घटक पर क्षेत्र का प्रभाव दिखाई दिया ,शेष धटकों पर क्षेत्र का प्रभाव नहीं पाया गया ।
- ➢ लिंग के आधार पर पुरूष अध्यापकों की अपेक्षा महिला अध्यापकों में अधिक प्रभाव पाया गया।
- ➢ अनुभव के आधार पर प्रशिक्षण प्रभावशीलता का प्रभाव पाया गया,अर्थात जो अध्यापक अधिक अनुभव वाले थे, उन्हें कार्य और प्रशिक्षण के बारे में अधिक अनुभव था, किन्तु जो अध्यापक कम अनुभव वाले थे, उन्हें कार्य एवं प्रशिक्षण के बारे में कम अनुभव था।

- प्रशिक्षण प्रभावशीलता के वैकल्पिक बाल शिक्षा धटक में प्रभाव दिखाई दिया, शेष प्रशिक्षण के धटक में अनुभव का कोई प्रभाव नहीं दिखाई दिया।
- योग्यता का गुणवत्ता व्यवस्थापन घटक पर कुछ प्रभाव पाया गया तथा शेष घटकों पर कोई प्रभाव नहीं पाया गया।
- जो अध्यापक अधिक योग्य थे, वे प्रशिक्षण का उपयोग अत्यधिक गहराई से अध्यापन कार्य में कर रहे थे ,तथा पढ़ाई के प्रति भाषा शैली में अत्यधिक रूचि रखते थे ,किन्तु जो अध्यापक कम योग्य थे, वे प्रशिक्षण का उपयोग अत्यधिक गहराई से अध्यापन कार्य में कम कर रहे थे ,व पढ़ाई के प्रति भाषा शैली में कम रूचि रखते थे ।

(12) सुझाव :–

- प्राथमिक शाला शिक्षक हेतु निर्धारित योग्यता होनी चाहिए। अप्रशिक्षित का चयन न किया जावें । चयन उपरांन्त शिक्षक को विषय–शिक्षण ,सहायक शिक्षण सामग्री निर्माण गतिविधि आधारित शिक्षण आदि का प्रशिक्षण देने के उपरांत ही अध्यापन कार्य करवाया जाय।
- शिक्षकों को प्रशिक्षण के माध्यम से नवाचारिता तकनीक का प्रयोग करने की जानकारी दी जानी चाहिए।

परिशिष्ट –I

सेवाकालीन शिक्षक –प्रशिक्षण (अभिज्ञान मापनी)

शिक्षक का नाम : .....

विद्यालय का नाम : .....

शैक्षणिक योग्यता : .....

शिक्षक का पद : .....

नियुक्ति दिनांक : .....

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर सहमत/तटस्थ /असहमत के संकेत द्वारा अंकित करें ।

(1) कक्षा में शिक्षकों द्वारा दी जाने वाली क्रियाओं के माध्यम से बच्चे ज्यादा सीखते हैं।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(2) बच्चों के पूर्व ज्ञान को जोड़ते हुये आगे का शिक्षण कार्य किया जाना उचित है।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(3) शिक्षण में सदैव नवाचारिता का प्रयोग किया जाना उचित हैं ।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(4) सभी विषयों का ज्ञान मौखिक एवं लिखित गतिविधियों द्वारा दिया जाना उचित है।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(5) गतिविधियों को संचालित करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण देना उचित है?
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(6) सहायक सामग्री का सभी विषयों के शिक्षण कार्य में किया जाना चाहिए।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(7) शिक्षकों को सहायक सामग्री का प्रशिक्षण देना उचित है।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(8) कम खर्चीली व उपयोगी शिक्षण सहायक सामग्री का निर्माण किया जाना उचित है।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(9) बहुकक्षा की स्थिति में बच्चों को क्रियाशील कर शिक्षण कार्य किया जाना उचित हैं।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(10) बच्चों की योग्यतानुसार विभिन्न स्तरों में बाँटकर शिक्षण देना उपयुक्त हैं।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(11) उच्च प्राथमिक स्तर पर बहुकक्षा शिक्षण का कार्य उचित नहीं है?
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(12) बहुकक्षा शिक्षण में शिक्षकों द्वारा पूर्व–योजना का बनाया जाना उचित है।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(13) बहुकक्षा शिक्षण का कार्य करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाना उपयुक्त हैं।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(14) विद्यार्थियों का मूल्यांकन केवल परिक्षाओं तक ही सीमित होना चाहिए।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(15) विद्यार्थियों के परिणामें पर शिक्षकों की भावनाओं का प्रभाव पड़ना उचित नहीं है?
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(16) दी जा रही विभिन्न परियोजना कार्यों द्वारा विद्यार्थियों का मूल्यांकन कार्य किया जाना ठीक है।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(17) शिक्षण करते समय ही निरीक्षण व मूल्यांकन का कार्य किया जाना उचित है।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(18) शिक्षण कार्यों के अलावा भी अन्य विकास कार्यों में भी शिक्षकों की सहभागिता ठीक हैं ।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(19) निरीक्षकों द्वारा समय –समय पर विद्यालयीन विकास कार्यो का निरीक्षण किया जाना उचित है।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(20) नामांकन में वृद्धि करने के लिए विद्यालयें की भौतिक सुविधाओं में भी वृद्धि का कार्य किया जाना उचित है।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(21) शिक्षकों को नवाचारी तकनीकी का प्रशिक्षण देना विद्यालय विकास के लिए आवश्यक है। ?
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(22) सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत दी गई शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों की कुशलता में वृद्धि की है।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(23) पालक –शिक्षक संघ के कार्यक्रमों से शिक्षकों को भी फायदा प्राप्त होता है।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(24) मध्यान्ह भोजन कार्यक्रमों में शिक्षकों के शिक्षण कार्य को प्रभावित नहीं किया है?
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(25) सेवाकालीन शिक्षकों को समय में दी जाने वाली ट्रेनिंग से शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का समय प्रभावित होता है।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(26) सहायक सामग्री का निर्माण करने में विद्यार्थियों का सहयोग लेना चाहिए।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(27) सहायक सामग्री द्वारा शिक्षण किये जाने पर बच्चों के उपलब्धि स्तर में अंतर आता है।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(28) बच्चों के सीखने के समान अवसर उपलब्ध कराना उपयुक्त है।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(29) विद्यालय विकास से संबंधित अभिलेखों को संचित किया जाना उचित है।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(30) शाला में छात्रों के बैठने के लिए पर्याप्त स्थान एवं समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(31) कक्षा में अध्यापित विषय से संम्बधित चर्टस /पोस्टर उपलब्ध होना चाहियें।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

(32) बच्चों को सीखने के लिए समान अवसर उपलब्ध कराना उपयुक्त है।
(1) सहमत ☐ (2) तटस्थ ☐ (3) असहमत ☐

स्थान :

दिनांक :

हस्ताक्षर उत्तरदाता

परिशिष्ट –II

Table D : table of t ,for use in determining the significance of statistics

Degrees of Freedom	t= 0.10	t= 0.05	t=0.02	t=0.01
1	6.34	12.71	31.82	63.66
2	2.92	4.30	6.96	9.92
3	2.35	3.18	4.54	5.84
4	2.13	2.78	3.75	4.60
5	2.02	2.57	3.36	4.03
6	1.94	2.45	3.14	3.71
7	1.90	2.36	3.00	3.50
8	1.86	2.31	2.90	3.36
9	1.83	2.26	2.82	3.25
10	1.81	2.23	2.76	3.17
11	1.80	2.20	2.72	3.11
12	1.78	2.18	2.68	3.06
13	1.77	2.16	2.65	3.01
14	1.76	2.14	2.62	2.98
15	1.75	2.13	2.60	2.95
16	1.75	2.12	2.58	2.92
17	1.74	2.11	2.57	2.90
18	1.73	2.10	2.55	2.88
19	1.73	2.09	2.54	2.86
20	1.72	2.09	2.53	2.84
21	1.72	2.08	2.52	2.83
22	1.72	2.07	2.51	2.82
23	1.71	2.07	2.50	2.81
24	1.71	2.06	2.49	2.80
25	1.71	2.06	2.48	2.79
26	1.71	2.06	2.48	2.78
27	1.70	2.05	2.47	2.77
28	1.70	2.05	2.47	2.76
29	1.70	2.04	2.46	2.76
30	1.70	2.04	2.46	2.75
35	1.69	2.03	2.44	2.72
40	1.68	2.02	2.42	2.71
45	1.68	2.02	2.41	2.69
50	**1.68**	**2.01**	**2.40**	**2.68**
60	1.67	2.00	2.39	2.66
70	1.67	2.00	2.38	2.65
80	1.66	1.99	2.38	2.64
90	1.66	1.99	2.37	2.63
100	1.66	1.98	2.36	2.63
125	1.66	1.98	2.36	2.62
150	1.66	1.98	2.35	2.61
200	1.65	1.97	2.35	2.60
300	1.65	1.97	2.34	2.59
400	1.65	1.97	2.34	2.59
500	1.65	1.96	2.33	2.59
1000	1.65	1.96	2.33	2.58
	1.65	1.96	2.33	2.58

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स ,भोपाल –462013
तार : शिक्षक
पी.बी.एक्स : 2661301 से 3,2661305
फैक्स : 0755–2661668
ई –मेल : rioe_2006 @dataone.in

Regional Institute of education
(National council of education Research & Training
Shyamla hills ,Bhopal -462013
Gram : Educator
PBX : 2661301 to 3,2661305
Fax : 0755-2661668
E-mail: rioe _2006@dataone .in

To Whom so Ever It May concern

Date : 29/01/2008

This is to certify that kumar/Kuamri **SIDHARTH SHUKLA** is a student of M.ed. ,of regional Institute of education .N.C.E.R.T. Bhopal .s/he for the partial fulfillment of the M.ed. course is working on research topic " **A study of effectiveness of inservice teacher training under S.S.A. as perceived by the teacher .** "

In this connection ,s/he may approach your institute for data collection .There fore s/he may be allowed to collect required data .The data collected will be used for academic research purpose only and shall be kept confidential.

Your co-operation is highly appreciated.

Head
Deartment of education